

3. आश्चर्यजनकता 4. सुंदरता 5. असाधारणता  
6. अनोखापन।

**विचित्रित** वि. (तत्.) 1. विभिन्न प्रकार के रंगों में  
जो चित्रित हो 2. रंग-बिरंगा 3. आश्चर्य जनक  
4. आभूषित 5. अंकित।

**विचुंबकन** पुं. (तत्.) किसी पदार्थ के चुंबकत्व को  
समाप्त करने की विशेष प्रक्रिया।

**विचुंबन** पुं. (तत्.) 1. विशेष चुंबन 2. विशेष ढंग  
से किया जाने वाला चुंबन।

**विचुंबित** वि. (तत्.) 1. विशेष रूप से चूमा हुआ  
2. प्यार भरा स्पर्श किया हुआ।

**विचूर्णित** वि. (तत्.) 1. जो अच्छी तरह से पीसा  
हुआ हो 2. जिसका चूर्ण किया गया हो।

**विचेतन** वि. (तत्.) 1. जो चेतना रहित हो, अचेत  
2. संज्ञाहीन 3. विवेकहीन 4. विस्मरणशील 5.  
मूर्ख 6. निर्जीव, मृत।

**विचेता** वि. (तत्.) 1. व्याकुल 2. अचेत 3. उद्विग्न  
4. दुष्ट 5. विमूढ़, मूर्ख 6. चतुर 7. विशेषज्ञ।

**विचेष्ट** वि. (तत्.) 1. जो चेष्टा रहित हो, चेष्टाहीन  
2. गतिहीन 3. अचल।

**विचेष्टन** पुं. (तत्.) 1. किसी परेशानी या कष्ट  
आदि के कारण बुरी चेष्टाएँ करना जैसे- हाथपैर  
पटकना, आदि 2. पीड़ा से तड़पना 3. छटपटाना  
4. इधर-उधर लोटना।

**विचेष्टा** स्त्री. (तत्.) 1. विशिष्ट-चेष्टा 2. विशेष  
प्रयत्न।

**विचेष्टित** वि. (तत्.) 1. विशेष प्रयत्न किया हुआ  
2. बड़ी सावधानी से जाँचा हुआ, परीक्षित 3 जो  
कार्य अनमने ढंग से किया गया हो।

**विच्छर्दन** पुं. (तत्.) 1. मुख से वमन या उल्टी  
करने की क्रिया या भाव 2. पेट में कुछ विकृति  
के कारण अर्थात् खाया हुआ पदार्थ सुपाच्य न  
होने से जी मचलाना और मुक्त पदार्थ का अपने  
आप रुक-रुक कर मुख से बाहर आना या मुख  
में अंगुली डालकर उल्टी करने की यौगिक क्रिया  
3. अवमानना।

**विच्छर्दिका** स्त्री. (तत्.) वमन, उल्टी, कै।

**विच्छाय** वि. (तत्.) 1. जो छाया रहित हो 2.  
शोभाविहीन, कांतिरहित 3. बदरंग पुं. 1. पक्षियों  
के झुंड की छाया 2. जिसकी छाया न हो 3.  
मणि।

**विच्छिन्न** वि. (तत्.) 1. जो कटा हुआ हो 2. जो  
काटकर या छेद कर अलग कर दिया गया हो 3.  
विभक्त, जुदा 4. समाप्त, नष्ट पुं. योग. 1.  
चारों क्लेशों की वह अवस्था जिसमें बीच में  
उनका विच्छेद हो जाता है राज. किसी व्यक्ति  
या समूह का एक विशेष राजनैतिक दल से  
संबंध तोड़ लेना और अपना नया दल बना  
लेना।

**विच्छुरित** वि. (तत्.) 1. छिड़का हुआ, लेपा हुआ  
2. छोड़ा हुआ 3. एक प्रकार की समाधि।

**विच्छेद** पुं. (तत्.) 1. काटकर या छेदकर अलग  
करने की क्रिया 2. टुकड़े-टुकड़े कर देना 3. क्रम  
का बीच से टूट जाना 4. दो या अधिक लोगों में  
परस्पर आत्मीय संबंध टूटना 5. नाश व्या.  
परस्पर मिले दो वर्णों या शब्दों को अलग करना  
जैसे- कर्मविच्छेद, संधिविच्छेद (श्री= श्+र+ई)  
(सूर्योदय=सूर्य+उदय)।

**विच्छेदक** वि. (तत्.) 1. विच्छेदन करने वाला 2.  
तोड़ने वाला 3. संबंध बिगाड़ने वाला।

**विच्छेदन** पुं. (तत्.) 1. किसी चीज को काट कर  
या छेद कर अलग करना 2. नष्ट करना 3.  
चिकि. अंगछेदन- शरीर के किसी अंग को  
काटकर अलग कर देना।

**विच्छेदनीय/विच्छेद्य** वि. (तत्.) 1. जो विच्छेदन  
करने के योग्य हो 2. जिसका विच्छेद किया  
जाना हो।

**विच्छेदी** वि. (तत्.) दे. विच्छेदक।

**विच्युत** वि. (तत्.) 1. अपने स्थान आदि से गिरा  
हुआ 2. किसी पद आदि से हटा हुआ या हटाया  
गया 3. इधर-उधर गिरा हुआ 4. स्थानभ्रष्ट 5.  
विनष्ट।

**विच्युति** स्त्री. (तत्.) 1. विच्युत होने की स्थिति  
या भाव 2. किसी का नैतिकता से पतन,